Toppersnotes®
Unleash the topper in you

SSC - MTS
HAVALDAR

मल्टी टास्किंग स्टाफ

STAFF SELECTION COMMISSION

भाग – 4

सामान्य अध्ययन एवं कम्प्यूटर

SIERRA INNOVATIONS

SSC – MTS
हवलदार

CONTENT

भारत का भूगोल

1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू–भाग	4
3.	भारत का अपवाह तंत्र	10
4.	जैव विविधता	16
5.	भारत की मिट्टी मृदा	22
6.	जलवायु	23
7.	भारत में खनिजों का वितरण	24
8.	भारत के प्रमुख उद्योग	27
9.	परिवहन	30
10.	कृषि	34
11.	भारत में निवास करने वाली जनजातियाँ	36
12.	भौतिक भूगोल	37

भारत का इतिहास

1.	प्राचीन इतिहास	42
	• सिन्धु घाटी सभ्यता	43
	• वैदिक काल	46
	• बौद्ध धर्म	49
	• जैन धर्म	51
	• महाजनपद काल	52
	• मौर्य वंश	53
	• गुप्त वंश	56

2.	मध्यकालीन भारत	60
	• भारत पर आक्रमण	60
	• सल्तनत काल	61
	• मुगल काल	67
	• भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	73
	• मराठा उद्भव	74
3.	आधुनिक भारत का इतिहास	76
	• भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन	76
	• मराठा शक्ति का उत्कर्ष	79
	• अंग्रेजो की भू–राजस्व पद्धतियाँ	81
	• गवर्नर व वायसराय	83
	• 1857 की क्रान्ति	88
	• प्रमुख आन्दोलन	89
	• कांग्रेस अधिवेशन	93
	• भारतीय क्रांतिकारी संगठन	104
4.	भारतीय संविधान	106
	• संविधान का विकास	106
	• संविधान की पृष्ठभूमि	107
	• संविधान के भाग	109
	• अनुसूचियां	121
	• प्रस्तावना	122
	• संघ	123
	• संसदीय समितियाँ	127
	• न्यायपालिका	133
	• राज्य	136
	• आपतकालीन उपबंध	138
	• संविधान संशोधन	140

अन्य सामान्य ज्ञान

1.	भारत के प्रमुख बांध	150
2.	भारत के पक्षी अभ्यारण	151
3.	भारत की जनसंख्या	151
4.	भारत के प्रमुख बंदरगाह	152
5.	भारत में प्रमुख नृत्य	153
6.	अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं	154
7.	भारत के प्रमुख स्टेडियम	154
8.	प्रमुख व्यक्ति एवं उनके उपनाम	155
9.	भारत के प्रमुख स्थल एवं उनके निर्माणकर्ता	156
10.	राज्य एवं उनके मुख्यमंत्री	156
11.	भारत के राष्ट्रपति	158
12.	भारत के प्रधानमंत्री	158
13.	लोकसभा अध्यक्ष	159
14.	संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान एवं पूर्व चेयरमैन	160
15.	भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त	160
16.	प्रमुख उच्च न्यायालय	161
17.	भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्या न्यायाधीश	162
18.	नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय	163
19.	भारत में सर्वाधिक बडा, लम्बा एवं ऊँचा	164
20.	भारत में प्रथम पुरूष	165
21.	यूनेस्को द्वारा घोषित भारत के विश्व धरोहर स्थल	168
22.	भारत के राष्ट्रीय प्रतीक व चिन्ह	169
23.	अविष्कार–अविष्कारक	170
24.	अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के महत्वपूर्ण तथ्य	172
25.	प्रसिद्ध पुस्तक व उनके लेखक	174
26.	खेलकूद	176
27.	विश्व की प्रमुख जल संधि	183
28.	प्रमुख पर्यावरण सम्मेलन	185
❖	कम्प्यूटर	190

भारत का भूगोल

भारत का अपवाह तंत्र
(Drainage System of India)

- जिस मार्ग से बहते हुए नदी आगे बढती है, वह नदी का 'अपवाह (Drainage Channel)' कहलाता है
- बहुत-सी नदियों के मिलने से किसी क्षेत्र में एक 'अपवाह तंत्र' का निर्माण होता है ।
- वह क्षेत्र जहाँ से वर्षा अथवा हिमनदों से मिलने वाला जल किसी नदी विशेष तक पहुँचता है, वह क्षेत्र उस नदी का बेसिन (Basin) कहलाता है ।
- भारत के अपवाह तंत्र को नदियों के स्रोत के आधार पर दो वर्गो में विभाजित किया जा सकता
  1. हिमालय अपवाह तंत्र (Himalaya Drainage System)
  2. प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र (Peninsular Drainage System)

हिमालय अपवाह तंत्र
(Himalaya Drainage System)

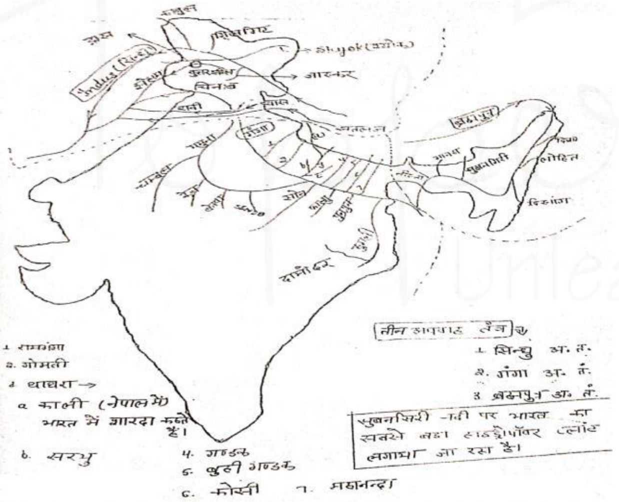

- हिमालय अपवाह तंत्र को मुख्य नदियों के आधार पर तीन भागों में बाँटा जा सकता है-
  1. सिन्धु अपवाह तंत्र
  2. गंगा अपवाह तंत्र
  3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

1. सिन्धु अपवाह तंत्र

सिंधु नदी का उपनाम इण्डस है, तथा भारत का इंडिया नाम सिंधु नदी के उपनाम इंडस से ही बना है ।

सिंधु नदी कि कुल लम्बाई 710 किमी. है ।

यह नदी पाकिस्तान कि सबसे बडी नदी है तथा पाकिस्तान कि राष्ट्रीय नदी है ।

- भारत के प्रथम वेद ऋग्वेद में सिन्धु नदी का 176 बार सिंधु शब्द का उल्लेख हुआ है । जो एक महत्वपूर्ण बात है ।
- यह अपवाह तंत्र मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व पंजाब राज्य में स्थित है ।
- सिन्धु नदी का उदगम तिब्बत में कैलाश पर्वत के हिमनदों से होता है तथा जम्मू-कश्मीर में यह नदी लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के मध्य बहती है ।
- काबुल, गिलगिट तथा श्योक इसकी प्रमुख दाँये हाथ की सहायक नदियाँ है तथा जास्कर, दरास तथा पंचनद (सतलज, रावी, झेलम, चेनाब, व्यास) इसकी प्रमुख बाँये हाथ की नदियाँ है ।
- 'पंचनद' सिन्धु से पाकिस्तान के मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है तथा सिन्धु कराची के नजदीक डेल्टा बनाने के पश्चात् अरब सागर में जाकर गिरती है
- 'लद्दाख' की राजधानी 'लेह' सिन्धु नदी के किनारे ही स्थित है ।

सिन्धु की प्रमुख सहायक नदियाँ

(a). **झेलमः-**
- इस नदी का उदगम जम्मू-कश्मीर में स्थित 'वेरिनाग झील' से होता है ।
- वेरिनाग के पास शेषनाग झील निकलती है ।
- इसी कुल लंबाई 725 किमी. है तथा इसकी सहायक नदियां किशनगंगा (निलम) कुन्हट, पूंछ, करवेश आदि के निकट स्थित शहर श्रीनगर उर्री, बार्रामुला आदि है ।
- उरी बांध बरामुला जिला, जम्मू-कश्मीर राज्य भारत में है । किशनगंगा बांध - जम्मू कश्मीर-भारत
- मगला बांध - मिरपुर - POK
- यह नदी 'वुलर झील' का निर्माण करती है, जो कि भारत की सबसे बडी मीठे पानी की झील है
- 'किशनगंगा' इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।
- 'श्रीनगर' झेलम नदी के किनारे बसा है ।
- यह नदी भारत व पाकिस्तान के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।
- इस नदी पर 'तुलबुल परियोजना' प्रस्तावित है, जो कि एक नौवहन परियोजना है ।

(b). चेनाबः-

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'बारालाचा दर्रे' के नजदीक से निकलने वाली 'चन्द्र' व 'भागा' नदियों के मिलने से होता है। चन्द्र+भागा = चन्द्रभागा (H.P) चेनाव (J&K)
- प्राचीन भारत में चिनाब को अश्किनी या इस्कमती कहा जाता था। इसकी कुल लंबाई 960 किमी. है। इस नदी कि प्रमुख सहायक नदियां मियार नाला, मारसुन्दर, सोहन, भुटनाजा आदि है।
- इस नदी पर दुलहस्ती, सलाल व बगलीहार परियोजना स्थित है। जो कि जम्मू-कश्मीर में 'जल विद्युत परियोजना' है।

(c). रावीः-

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'रोहतांग दर्रे' (लेह, मनाली के पास) के नजदीक होता है।
- रावी नदी कि कुल लंबाई 720 किमी. है तथा इसके उपनाम-इरावती, परूष्नी, हैंशस्टर या हैंड्राडॉटस है।
- किनारे पर स्थित शहर या नगर - भरमौर, होली, माधोपुर, चम्बा, सरौल आदि है।
- इसकी प्रमुख नदी घाटी परियोजना
  - ➢ हडसर परियोजना
  - ➢ भरमोर परियोजना
  - ➢ हिब्रा परियोजना
  - ➢ होली परियोजना
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'चमेरा बांध' स्थित है
- इस नदी पर वर्तमान में पंजाब राज्य में 'थीन परियोजना (रंजीत सागर बांध परियोजना)' का विकास किया जा रहा है।

(d). व्यास

- इस नदी का उद्गम 'रोहतांग दर्रे' के नजदीक 'व्यास कुण्ड' से होता है।
- इस नदी कि कुल लम्बाइ 470 किमी. है।
- प्रमुख नदी घाटी परियोजना
  (1) पार्वती जल विद्युत परियोजना
  (2) शानद जल विद्युत परियोजना
- इस नदी के किनारे स्थित प्रमुख शहर या नगर कुल्लू, मनाली, बाजौरा, पठानकोट, कपूरथला, होशियारपुर है।
- यह नदी पंजाब में हरिके नामक स्थान पर सतलज से जाकर मिलती है।
- इस नदी पर हिमाचल प्रदेश में 'पोंग बांध' स्थित है, जिससे 'महाराणा प्रताप सागर परियोजना' का निर्माण होता है।

(e). सतलजः-

- इस नदी का उद्गम तिब्बत में राकास ताल/राक्षस झील से होता है तथा यह शिपकिला दर्रे के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है।
- यह बारहमासी बहने वाली नदियों में से एक नदी है।
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'नाथपा झाकडी परियोजना' स्थित है।
- पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश सीमा क्षेत्र में इस नदी पर 'भांखडा-नांगल परियोजना' स्थित है।
- 'भांखडा बांध' से 'गोविन्द सागर जलाशय (हिमाचल प्रदेश)' का निर्माण होता है।
- हरिके नामक स्थान पर इस नदी से 'इन्दिरा गाँधी नहर' का उद्गम होता है।

2. गंगा अपवाह तंत्र

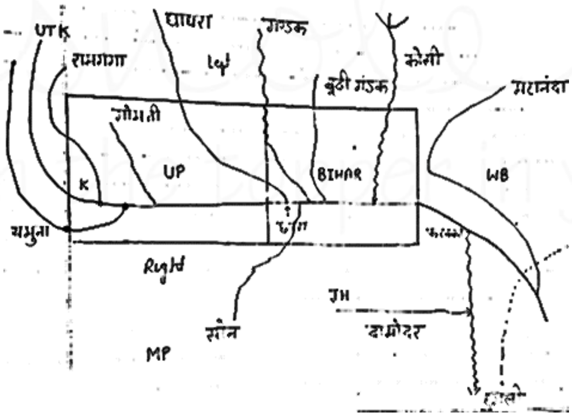

- गंगा नदी तथा उसकी सहायक नदियों का अपवाह तंत्र विभिन्न राज्यों में स्थित है।
  e.g.- उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड तथा पश्चिम बंगाल
- गंगा को बांग्लादेश में पद्मा के नाम से जाना जाता है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किमी. (लगभग 2500 किमी.) है।
- गंगा नदी उत्तराखण्ड में देवप्रयाग नामक स्थान से निकलती है जहाँ भागीरथी तथा अलकनंदा नदियाँ मिलती है।

- भागीरथी नदी की सहायक नदी भीलांगना इससे टिहरी नामक स्थान पर मिलती है जहाँ भारत का सबसे ऊँचा बांध स्थित है ।
- अलकनंदा नदी पर विभिन्न प्रयाग स्थित है । **e.g.-** विष्णुप्रयाग, कर्णप्रयाग, रूद्रप्रयाग **etc.**

1. गंगा की दांये हाथ की प्रमुख नदियाँः-

(a). यमुनाः-

- गंगा की सबसे लम्बी सहायक नदी ।
- इस नदी का उदगम उत्तराखण्ड में यमुनोत्री हिमनद से होता है तथा यह नदी हरियाणा तथा दिल्ली से बहते हुए उत्तरप्रदेश में इलाहाबाद में गंगा नदी से आकर मिलती है
- आगरा तथा मथुरा इसी नदी के किनारे बसे है ।
- भारत कि राजधानी नई दिल्ली यमुना नदी के किनारे स्थित है ।
- चम्बल, केन, बेतवा, सिन्ध इसकी कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(b). सोनः-

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में अमरकंटक पठार से होता है तथा यह नदी उत्तर दिशा की ओर बहते हुए बिहार में 'सोनपुर' नामक स्थान पर गंगा में आकर मिलती है । (सोनपुर में विश्व का सबसे बडा पशु मेला लगता है ।)
- 'रिहंद' सोन की एक प्रमुख सहायक नदी है
- रिहंद नदी पर उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश सीमा क्षेत्र में 'रिहंद बांध' स्थित है, जिससे 'गोविन्द वल्लभ पंत सागर जलाशय (छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश)' का निर्माण होता है ।

2. गंगा की बांये हाथ की प्रमुख नदियाँ

(a). रामगंगा

(b). गोमती

- इस नदी का उदगम कुमायूँ हिमालय (गढवाल) जिले से होता है ।
- लखनऊ तथा जौनपुर शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). घाघरा :-

- इस नदी का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- यह नदी नेपाल में 'कर्णाली' नाम से जानी जाती है

  शारदाः- इस नदी का उदगम नेपाल से होता है तथा यह नेपाल में 'काली' के नाम से जानी जाती है । यह नदी उत्तराखण्ड व नेपाल के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।

  सरय :- 'अयोध्या' सरयू नदी के किनारे बसा है ।

(d). गण्डक

(e). बुढी गण्डक

(f). कोसीः-

- इस नदी का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- भारत में यह नदी बिहार राज्य में बहती है ।
- गंगा में सर्वाधिक मात्रा में जल लेकर आने वाली नदी
- इसे 'बिहार का शोक' कहते है ।

दामोदर नदी

- यह नदी हुगली नदी की सहायक नदी है ।
- इस नदी का उदगम झारखण्ड में छोटा नागपुर पठार से होता है ।
- इस नदी की घाटी कोयले के भण्डारों के लिए विख्यात है तथा इसे 'भारत की रूर घाटी' भी कहा जाता है ।
- पूर्व में दामोदर नदी हर वर्ष बाढ लेकर आती थी, जिसके कारण इसे 'बंगाल का शोक' कहा जाता था।
- बाढ को नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र भारत की पहली बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजना का विकास इसी नदी पर किया गया है । इसे 'दामोदर नदी घाटी परियोजना' कहा जाता है । (टेनिसी परियोजना पर आधारित जो मिसीसीपी नदी की सहायक नदी है ।)
- कोनार, मिथोन, बाराकर, तिलैया दामोदर नदी घाटी परियोजना के अन्तर्गत विकसित किए गए कुछ बांध है
- दामोदर एक अत्यधिक प्रदूषित नदी है तथा जैविक दृष्टि से एक मृत नदी है ।

3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

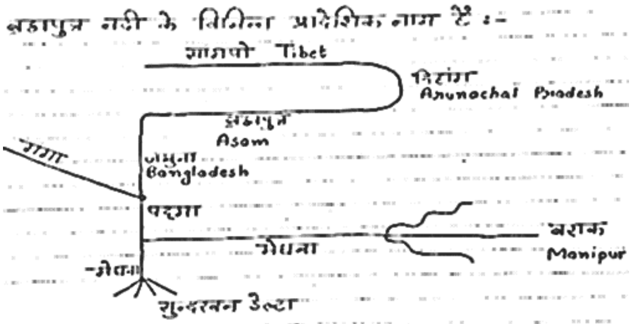

- इस अपवाह तंत्र का निर्माण ब्रह्मपुत्र तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा किया गया है ।

- 'ब्रह्मपुत्र नदी' का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है तथा यह नदी नामचा बरवा चोटी के नजदीक स्थित एक गहरी घाटी के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है ।
- भारत की सर्वाधिक मात्रा में जल ले जाने वाली नदी है ।
- सपीपा नगर में दो सहायक नदियां, दिबांग एवं लोहीत मिलन के बाद इस नदी का नाम ब्रह्मपुत्र हो जाता है ।
- तीस्ता, मानस, सुबनसिरी इसकी दांये हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ है तथा दिबांग, दिहांग, लोहित बांये हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ है ।
- इस नदी के मध्य असम में 'माजुली द्वीप' स्थित है, जो कि भारत का सबसे बडा नदी द्वीप है ।
- इसकी अन्य सहायक नदियां सुबनागिरी, धनश्री, पुथीमारी एवं मानस है ।
- भारत में सर्वाधिक जल विद्युत क्षमता इसी नदी में पाई जाती है ।
- यह बांग्लादेश में जाकर पद्मा में मिल जाती है । तथा बांग्लादेश में इस नदी को मेहाना के नाम से जाना जाता है ।
- गंगा व ब्रह्मपुत्र का मिलन ग्वालण्डा के पास होता है ।

प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र
(Peninsular Drainage System)

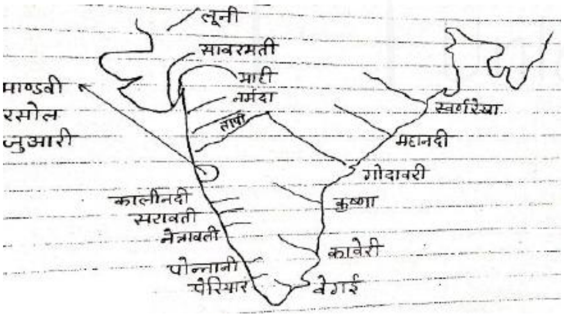

- प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र की नदियों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है–

1. पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ

(a). स्वर्णरेखा नदीः–

- इस नदी का उदगम झारखण्ड में 'रांची के पठार' से होता है ।
- यह नदी नदमुख का निर्माण करने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है

(b). महानदीः–

- इस नदी का उदगम 'दण्डकरण्य पठार' से होता है तथा यह नदी छत्तीसगढ तथा उडीसा से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- महानदी की कुल लंबाई 860 किमी. है ।
- यह नदी एक कटोरे के आकार के बेसिन का निर्माण करती है । (चीन में 'हुआंग हे' नदी)
- इस नदी का बेसिन चावल की खेती के लिए विख्यात है तथा छत्तीसगढ को 'भारत का चावल का कटोरा' कहते है ।
- इस नदी पर ओडिसा राज्य में 'हीराकुण्ड बांध' स्थित है, जो कि भारत का सबसे लम्बा बांध है ।
- इब, मंड, हसदेव, श्योनाथ, तेल, जोंक इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(c). गोदावरी

- भारत की दूसरी सबसे लम्बी नदी ।
- इस नदी का उदगम 'पश्चिमी घाट' में स्थित 'कलसुबाई चोटी (त्रिम्बक पठार में स्थित)' से होता है ।
- गोदावरी नदी के उपनाम वृद्धगंगा, बुढी गंगा, गौतमी है ।
- इसकी कुल लंबाई 1465 किमी. है ।
- यह नदी मुख्यतः महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना में बहती है ।
- इस नदी के सहारे भारत का प्रमुख शहर नासिक बसा हुआ है । अन्य नगर – निजामाबाद, राजमुंदरी आदि है ।
- यह नदी महाराष्ट्र, तेलंगाना तथा आन्ध्रप्रदेश राज्यों से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- आन्ध्रप्रदेश में इस नदी पर 'पोलावरम परियोजना' का विकास किया जा रहा है ।
- पूर्णा, प्राणहिता, वेन गंगा, पेन गंगा, इन्द्रावती, सिलेरू आदि इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है
- सिलेरू नदी पर उडीसा में 'बालिमेला बांध' बना हुआ है ।

(d). कृष्णा

- इस नदी का उदगम पश्चिमी घाट में 'महाबलेश्वर चोटी' से होता है तथा यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा आन्ध्रप्रदेश राज्यों से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में गिरती है ।
- इस नदी कि कुल लंबाई 1400 किमी. है ।

- कृष्णा नदी व गोदावरी दोनों मिलकर एक डेल्टा का निर्माण करती है । जिसका नाम केजी डेल्टा है ।
- कृष्णा नदी का उपनाम कृष्णवेणा है ।
- इस नदी पर महाराष्ट्र में कोयना बांध बना हुआ है ।
- विजयवाडा शहर कृष्णा नदी के किनारे बसा हुआ है ।
- कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, तुंगभद्रा, भीमा, मुसी इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(e). कावेरी

- इस नदी का उदगम पश्चिमी घाट में स्थित ब्रह्मगिरी पहाडियों से होता है ।
- यह नदी कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों से बहती है ।
- कर्नाटक राज्य में इस नदी पर 'कृष्णराज सागर बाँध' स्थित है, जबकि तमिलनाडु में 'मेटुर बाँध' स्थित है ।
- इस नदी पर विख्यात 'शिव समुद्रम जल प्रपात' स्थित है ।
- इस नदी को दक्षिण की गंगा के उपनाम से जाना जाता है ।
- इस नदी की कुल लम्बाई 800 किमी. है
- इसके किनारे पर बसे नगर मैसूर, तिरूचिरापल्ली, श्रीरंगपट्टनम आदि है ।
- इस नदी पर कर्नाटक में कृष्णा राजा सागर बांध है ।
- इस नदी में विख्यात 'श्रीरंगपट्टनम नदी द्वीप' स्थित है ।
- हेमावती, अर्कवती, भवानी, लक्ष्मणतीर्थ इस नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(f). वैगई नदी :-

- 'मदुरई शहर' वेगई नदी के किनारे बसा है ।

2. पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ :

(a). लूणी नदी

- इस नदी का उदगम अरावली पर्वतों से होता है तथा यह नदी कच्छ के रण में जाकर गिरती है ।
- राजस्थान के पश्चिम मरूस्थलीय भाग की सबसे प्रमुख नदी है ।
- इसे भारत की लवण नदी भी कहते है ।
- इसकी सहायक नदियां - मिठडी, जवाई, जोजडी, लीलडी है ।
- इसकी कुल लम्बाई 495 किमी. है ।
- यह नदी थार रेगिस्तान कि सबसे बडी नदी है
- इस नदी में कभी-कभी ज्यादा पानी आने से राजस्थान का बालोतरा (बाडमेर) में बाढ आ जाती है ।
- अपने उदगम से लेकर बाडमेर में स्थित 'बालोतरा' नामक स्थान तक इस नदी का जल मीठा है तथा इसके पश्चात् इस नदी में खारा जल पाया जाता है ।

(b). साबरमती

- इस नदी का उदगम अरावली पर्वतों से होता है तथा यह नदी 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- इस नदी कि कुल लंबाई 371 किमी. है ।
- प्रमुख सहायक नदियां बाकल, हथमती, माजम आदि है ।
- 'गांधीनगर' व 'अहमदाबाद' शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). माही नदी

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में विन्ध्याचल पर्वतों से होता है तथा राजस्थान व गुजरात से बहने के पश्चात यह 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है
- इसकी कुल लंबाई 576 किमी. है ।
- गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश में बहने वाली नदी है ।
- सहायक नदियां - सोम, जाखम, मोरेल, अनास आदि है ।
- उपनाम - आदिवासियों की गंगा, बांगड की गंगा, काठल की गंगा, दक्षिण राजस्थान की स्वर्ण रेखा
- यह नदी 'कर्क रेखा' को दो बार काटती है ।
- माही नदी पर राजस्थान का सबसे लम्बा बांध माही बजाज सागर बांध बना है ।
- माही नदी पर राजस्थान का सबसे ऊँचा बांध जाखम बांध भी बना हुआ है ।

Note

- विषुवत रेखा को दो बार काटने वाली नदी - कांगो (अफ्रीका)
- मकर रेखा को दो बार काटने वाली नदी - लिम्पोपो (अफ्रीका)

(d). नर्मदा नदी

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में 'अमरकंटक पठार' से होता है तथा यह नदी 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र गुजरात में बहती है ।
- इसकी कुल लंबाई 1312 किमी. है ।
- नर्मदा के उपनाम - मैकालसुता, शंकरी (शिवकी पुरी, रेवा, सौगो, सोमदेव, नमादोरा आदि है ।)
- इस नदी का उल्लेख भारत के वेद सामवेद में मिलता है ।
- इस नदी के किनारे विश्व कि सबसे ऊँची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार वल्लभ भाई पटेल) स्थित है ।
- यह नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है ।
- यह एक नदमुख का निर्माण करती है ।
- यह नदी 'विन्ध्याचल पर्वतों' तथा 'सतपुडा पर्वतों' के मध्य स्थित 'भ्रंश घाटी' से बहती है ।
- इस नदी पर 'जबलपुर' के नजदीक 'धुँआधार जलप्रपात (जिसे संगमरमर जल प्रपात भी कहा जाता है)' तथा 'कपिलधारा जल प्रपात' स्थित है ।
- इस नदी पर मध्यप्रदेश में 'इन्दिरा सागर परियोजना/बांध' स्थित है, जिससे बनने वाला 'इन्दिरा सागर जलाशय' भारत की सबसे बडी मानव निर्मित झील है ।
- गुजरात में इस नदी पर 'सरदार सरोवर परियोजना/बांध' स्थित है जो कि गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व राजस्थान की संयुक्त परियोजना है ।
- हिरण, तवा, छोटा तवा व कुण्डी नर्मदा की कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।
- गुजरात का प्रमुख शहर 'भंडोच' नर्मदा नदी के किनारे स्थित है ।

(e). तापी नदी

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में 'बैतुल पठार' से होता है तथा यह 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी नदमुख का निर्माण करती है ।
- यह 'सतपुडा व अजन्ता पहाडियों' के मध्य स्थित भ्रंश घाटी से बहती है ।
- इस नदी पर गुजरात में 'उकाई' तथा 'काकरापारा' परियोजनाएँ स्थित है ।
- इसकी सहायम नदी ग्रुर्णा है ।
- भारत कि यह नदी पूर्व से पश्चिम कि ओर बहने वाली दूसरी नदी है ।
- कुल लम्बाई 740 किमी. है ।
- उपनाम-सूर्यपुत्री, तापी आदि है ।
- 'सूरत' शहर इसी नदी के किनारे बसा है ।

(f). शरावती नदी :- कर्नाटक में 'जोग जल प्रपात' इसी नदी पर स्थित है ।

(g). पेरियार नदी

- इस नदी का उदगम पश्चिमी घाट से होता है तथा यह अरब सागर में जाकर गिरती है ।
- यह केरल की सबसे प्रमुख नदी है तथा इसे 'केरल की जीवन रेखा' कहा जाता है ।
- इस नदी पर केरल में 'इडुकी परियोजना (Idukki Project)' स्थित है ।

अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र

घग्घर नदीः-

- इस नदी का उदगम हिमाचल प्रदेश में शिमला कालका की पहाडियों से होता है ।
- यह हरियाणा से होती हुई राजस्थान के गंगानगर जिले के हनुमानगढ नामक स्थान तक जाती है ।
- मानसून के दौरान यह नदी पाकिस्तान के फोर्ट अब्बास नामक स्थान तक जाती है ।
- यह नदी भारत के सबसे बडे अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र का निर्माण करती है ।

भारत की प्रमुख झीलें

क्र.सं.	झील	राज्य
1.	चिल्का झील	ओडिशा
2.	वुलर झील	जम्मू-कश्मीर
3.	पुलीकट झील	तमिलनाडु
4.	कोलेरू झील	आंध्रप्रदेश
5.	लोकटक झील	मणिपुर
6.	लौनार झील	महाराष्ट्र
7.	सांभर झील	राजस्थान
8.	हुसैन सागर	तेलंगाना
9.	डल झील	जम्मू-कश्मीर

भारत का इतिहास

सिन्धु घाटी सभ्यता

परिचय

हडप्पा सभ्यता

- चार्ल्स मेसन – 1826 ई. सबसे पहले सभ्यता की ओर ध्यान आकर्षित किया ।
- जॉन ब्रंटन व विलियम ब्रंटन – 1856 ई हडप्पा नगर का सर्वे किया ।
- कनिंघम ने इस ओर दुनिया का ध्यान दिलाया, कनिंघम को भारतीय पुरातात्विक विभाग का पितामह कहा जाता है ।
- 1921 में सर जॉन मार्शल के निर्देशन में दयाराम साहनी ने इसका उत्खनन किया ।
- सर्वप्रथम इस स्थल की खोज होने के कारण यह स्थल हडप्पा सभ्यता कहलाया ।

अन्य नाम

सिंधु घाटी सभ्यता
सरस्वती नदी घाटी सभ्यता
कांस्य युगीन सभ्यता
नगरीय सभ्यता

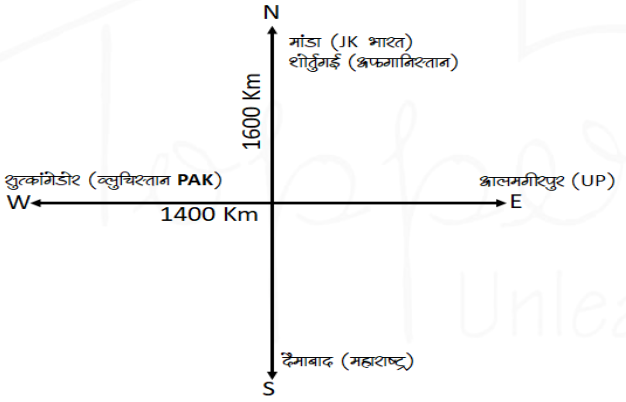

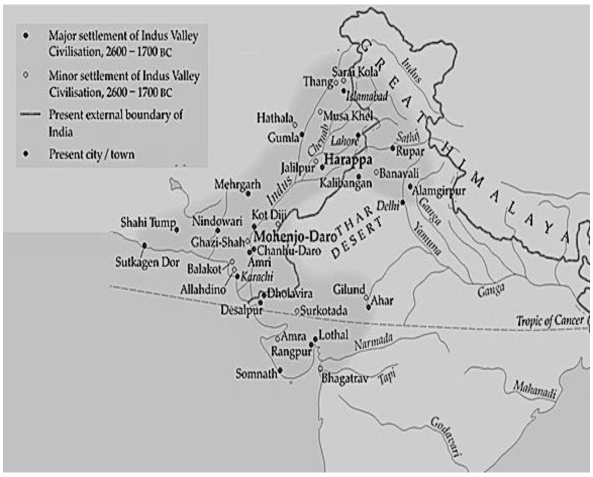

1300 किमी समुद्री सीमा

नोट

- अफगानिस्तान में सिंधु घाटी सभ्यता के मात्र दो स्थल थे – सार्तगोई एवं मुंडीगॉक है ।
- सार्तगोई से नहरों द्वारा सिंचाई के साक्ष्य मिले है
- सिंधु घाटी सभ्यता मेसोपोटामिया के सभ्यता से 12 गुना बडी थी जबकि मिश्र की सभ्यता से 20 गुना बडी थी ।
- आजादी से पूर्व खोजे समस्त स्थल पाकिस्तान में चले गये । भारत में केवल दो स्थल रहे, रंगपुर (गुजरात) और रोपड (पंजाब)
- भारत का सबसे बडा स्थल राखीगढी (हरियाणा) है, दूसरा बडा स्थल धौला वीरा (गुजरात) है ।
- पिग्गट ने हडप्पा एवं मोहनजोदडो को सिन्धु सभ्यता की जुँडवा राजधानी बताया है ।
- बडे नगर (पाकिस्तान)
  - गनेडीवाल
  - हडप्पा
  - मोहनजोदडों

निवासी

यहाँ से प्राप्त कंकालों के आधार पर चार प्रजातियों में बांटा जा सकता है ।

1. भूमध्य सागरीय
2. अल्पाईन
3. मंगोलायड
4. प्रोटो आस्ट्रालायड

सर्वाधिक प्रजाति भूमध्य सागरीय प्रजाति मिली है ।

नगर नियोजन

- नगर दो भागों में विभाजित – पश्चिमी भाग एवं पूर्वी भाग । पश्चिमी भाग दुर्ग था, पूर्वी भाग सामान्य नगर था ।
- पश्चिमी भाग में प्रशासनिक लोग रहते थे । तथापूर्वी भाग में जनसामान्य लोग रहते थे ।
- सिंधु घाटी सभ्यता में पक्की ईटों के मकान है ।
- सिन्धु घाटी के समकालीन सभ्यताओ मे इस विशेषता का अभाव ।
- नगर परकोटे युक्त होते थे ।
- घरों के दरवाजे मुख्य सडक की तरफ न खुलकर पीछे की तरफ खुलते थे । केवल लोथल में मुख्य सडक की तरफ घरों के दरवाजे खुलते थे ।
- कालीबंगा दोहरे परकोटे युक्त है जबकि चन्हुदडो में कोई परकोटा नही ।
- धोलावीरा तीन भागों में विभक्त है । पश्चिमी, पूर्वी एवं मध्यम ।
- लोथल एवं सुरकोटडा का पश्चिमी एवं पूर्वी भाग दोनो ही एक ही परकोटे से घिरे हुए है ।

- नगर ग्रिड पद्धति पर आधारित थे अर्थात शतरंज के बोर्ड की तरह सभी नगरों को बसाया था तथा सभी मार्ग समकोण पर काटते थे ।
- सबसे चौडी सडक 10 मीटर (मोहनजोदडो) की मिलती है जो सम्भवतः राजमार्ग रहा होगा ।
- घरो मे उत्कृष्ट नाली व्यवस्था (जल निकासी हेतु)
- बडी नालियो को ढक कर रखते थे ।
- भवन के अन्दर सामान्यतः 3 या 4 कक्ष, रसोईघर, 1 विद्यालय स्नानागार एवं कुआं होता था ।
  कच्ची एवं पक्की ईंटो का प्रयोग करते थे ।
  ईंट का आकार - 1 : 2 : 4
- जल निकासी हेतु पक्की ईंटों की नालियां होती थी विश्व की किसी अन्य सभ्यता में पक्की नालियों के साक्ष्य नही मिलते थे ।

प्रमुख नगर

1. हडप्पा

पाकिस्तान के पंजाब के मोंटगोमरी जिले मे स्थित (अब- शाहीवाल जिले मे) रावी नदी के तट पर

- उत्खननकर्ता - दयाराम साहनी
- रावी नदी के तट पर श्रमिको के आवास एवं अन्नागार मिलते हैं ।
- R – 37 नामक कब्रिस्तान मिलता है । एक शव को ताबूत मे दफनाया गया है, इसे विदेशी की कब्र कहते है ।
- शंख का बना बैल व 18 वर्ताकार चबूतरे मिले है ।
- यहाँ से सर्वाधिक अभिलेख युक्त मुहरें मिली है ।
- 6 - 6 की पंक्ति में कुल 12 कमरों वाला आवास स्थल मिला है ।
- एक स्त्री के गर्भ से निकलता हुआ पौधा की मृणमूर्ति मिली है । सम्भवतः यह उर्वरता की देवी होगी ।

2. मोहनजोदडो

- स्थिति = लरकाना (सिन्ध, PAK)
- सिन्धु नदी के तट पर
- उत्खननकर्ता = राखालदास बनर्जी
- मोहनजोदडो का शाब्दिक अर्थ = मृतकों का टीला (सिन्धी भाषा)

(i) विशाल स्नानागार -
  (a) 11.88 × 7.01 × 2.43 मीटर
  (b) सम्भवतया यहाँ धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता रहा होगा ?
  (c) सर जॉन मार्शल ने इसे तात्कालिक समय की आश्चर्यजनक इमारत कहा है ।

(ii) विशाल अन्नागार सिंधु सभ्यता की सबसे बडी इमारत है । ल. 45.71×15.23 मीटर चौडी है ।
(iii) महाविद्यालय के साक्ष्य
(iv) सूती कपडे के साक्ष्य
(v) हाथी का कपालखण्ड
(vi) कांसा की नर्तकी की मूर्ति मिली है ।
(vii) पुरोहित राजा की मूर्ति जो ध्यान की अवस्था में है ।
  (a) इसने शॉल ओढ रखी है जिस पर कशीदाकारी का कार्य किया गया है ।
(viii) यहाँ से मेसोपोटामिया की मुहर मिलती है ।
(ix) योगी की मूर्ति मिली है ।
(x) शिव की मूर्ति मिली है ।
(xi) बाढ से पतन के साक्ष्य मिलते है ।
(xii) सर्वाधिक मुहरें सिंधु घाटी सभ्यता के यहाँ मिलती है ।

3. लोथल

स्थिति = गुजरात

- भोगवा नदी के किनारे
  उत्खननकर्ता = S. R. राव (रंगनाथ राव)
  → यह एक व्यापारिक नगर था ।
  (i) यहाँ से गोदीवाडा (Dockyard) मिलता है
    (a) यह सिन्धु घाटी सभ्यता की सबसे बडी कृति है ।
  (ii) मनके (Bead) बनाने का कारखाना
  (iii) चावल के साक्ष्य
  (iv) फारस की मुहर जो गोलाकार बटननुमा है
  (v) घोडे की मृण्मूर्तियाँ
  (vi) चक्की के दो पाट
  (vii) घरों के दरवाजे मुख्य मार्ग पर खुलते है (एकमात्र)
  (viii) छोटे दिशा सूचक यंत्र

4. सुरकोटडा / सुरकोटदा

- स्थिति = गुजरात
  (i) घोडे की हड्डियाँ
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगो को घोडे का ज्ञान नहीं था ।

5. रोजदी (गुजरात)

हाथी के साक्ष्य

6. रोपड (PB)

- मनुष्य के साथ कुत्ते को दफनाने के साक्ष्य

7. धौलावीरा

गुजरात - कच्छ जिला (किसी नदी तट पर नहीं)
उत्खननकर्त्ता - रविन्द्र सिंह विष्ट (1990 में)

- यह सबसे नवीन नगर है जिसका उत्खनन किया गया
- कृत्रिम जलाशय के साक्ष्य । संभवतः नहरों के माध्यम से खेती करते होंगे । (दुर्गभाग)
- यह नगर 3 भागों में बंटा हुआ था ।
- स्टेडियम एवं सूचना पट्ट के अवशेष मिलते है (खेल का मैदान)

8. चन्हुदड़ों

उत्खननकर्त्ता - एन. मजूमदार (डाकूओं ने हत्या कर दी) - अर्नेस्ट मैके

- मनके बनाने के कारखाने (मणिकारी), मुहर बनाने का काम आदि ।
- औद्योगिक नगर
- झाकर एवं झुकर संस्कृति के साक्ष्य मिलते है ।
- कुत्ते द्वारा बिल्ली का पीछा करने के पद चिन्ह है ।
- एक सौन्दर्य पेटिका मिली है । जिसमें एक लिपिस्टिक है ।

कालीबंगाः-

अवस्थिति- हनुमानगढ
नदी-घग्घर/सरस्वती/दृषद्वती/चौतांग
उत्खननकर्ता- अमलानन्द घोष (1952)अन्य सहयोगी- बी. बी. लाल बी. के. थापर जे. पी. जोशी एम. डी. खर्रे
कालीबंगा शाब्दिक अर्थ- काली चुडिया (पंजाबी भाषा का शब्द)
उपनाम- दीन हीन बस्ती- कच्ची ईटों के मकान ।

सामग्री

- सात अग्नि वेदिकाएँ एवं हवन कुण्ड मिले है ।
- युग्मित शवाधान प्राप्त हुए ।
- एक मानव कपाल खण्ड मिला है, जिसे मस्तिष्क शोधन बीमारी तथा शल्य चिकित्सा की जानकारी मिलती है ।
- जुते हुए खेत के साक्ष्य मिलते है (एकमात्र स्थान) एक साथ दो फसले, उगाया करते थे, जौ एवं सरसों
- मकान कच्ची ईटों के थे बल्लियो की छत होती थी
- जल निकाली हेतु लकडी की नालियों के साक्ष्य मिले है अर्थात सुदृढ जल निकासी व्यवस्था नही थी ।
- ईटों को धूप से पकाया जाता था ।
- वृताकार चबूतरे एवं बेलनाकार मुहरे (मेसोपोटामिया) मिली है ।
- लाल रंग के मिट्टी के बर्तन मिले है जिन पर काली एवं सफेद रंग की रेखाएँ खीचीं गई है ।
- यहाँ से एक खिलौना गाडी एवं पंख फैलाए बगुले की मूर्ति मिली है।
- यहाँ से बैल व बारहसिंहा के अस्थि अवशेष मिले है।
- यहाँ का नगर अन्य हडप्पा स्थलों की तरह ही है, लेकिन यहाँ गढी एवं नगर दोनों दोहरे परकोटे युक्त है।
- यहाँ उत्खनन में पांच स्तर प्राप्त हुए है प्रथम दो स्तर प्राक हडप्पा कालीन है । अन्य तीन स्तर समकालीन हडप्पा है
- यहाँ प्राचीनतम भूकम्प के साक्ष्य प्राप्त होते है ।
- इतिहासकार दशरथ शर्मा के अनुसार यह हडप्पा सभ्यता की तीसरी राजधानी है ।

हडप्पा लिपि

- लगभग 64 मूल चिह्न व 400 तक अक्षर
- दायीं से बायीं ओर लिखते थे ।
- गोमूत्राक्षर लिपि एवं भाव-चित्रात्मक लिपि थी ।
- 375 से 400 तक भाव एवं शब्दों का प्रयोग करते थे ।

पतन के कारण

- गार्डन चाइल्ड तथा व्हीलर के अनुसार आर्यो का आक्रमण
- रंगनाथ राव तथा सर जॉन मार्शल - बाढ
- लोमब्रिक-सिंधु नदी का मार्ग बदलता
- आरस्टाईन एवं अमलानंद घोष-जलवायु परिवर्तन

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कपास का उत्पादन सर्वप्रथम सिंधुवासियों ने किया ।
- सारगोन अभिलेख में सिंधु वासियों को मेलुहा (नाविको का देश) कहा गया है ।
- सिंधु वासियों का प्रिय पशु कुबड वाला बैल था ।
- दूसरा मुख्य पशु एक सींग वाला गेंडा था ।
- मातृ सत्तात्मक वाला समाज था ।

भारत के वायसराय

1858 के भारत परिषद् अधिनियम के अनुसार गवर्नर जनरल को वायसराय भी बना दिया गया ।
लॉर्ड केनिंग भारत का प्रथम वायसराय था ।
(1) लॉर्ड कैनिंग (1856-62)
(2) लॉर्ड एल्गिन प्रथम (1862-63)
(3) जॉन लॉरेन्स (1863-69)
(4) लॉर्ड मेयो (1869-72)
(5) लॉर्ड नॉर्थब्रुक (1872-76)
(6) लॉर्ड लिटन (1876-80)
(7) लॉर्ड रिपन (1880-84)
(8) लॉर्ड डफरिन (1884-88)
(9) लॉर्ड लैंड्सडाउन (1888-94)
(10) लॉर्ड एल्गिन - द्वितीय (1894-99)
(11) लॉर्ड कर्जन (1899-1905)

1. लॉर्ड कैनिंग (1856-62)

- यह कम्पनी का अंतिम गवर्नर जनरल एवं वायसराय था ।
- इसके समय ही युरोपीय सेना के द्वारा श्वेत विद्रोह हुआ था ।
- 1856 में विधवा पुर्नविवाह अधिनियम पारित हुआ (धारा 15) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के प्रयासो से यह कानून बनाया गया था
- 1857 की क्रान्ति के समय गवर्नर जनरल था ।
- 1857 में कलकत्ता, बॉम्बे व मद्रास में विश्वविद्यालय बनाये गयें । (लंदन विश्वविद्यालय की तर्ज पर)
- 1861 में इण्डियन हाइकोर्ट एक्ट पारित हुआ तथा कालान्तर में बॉम्बे, मद्रास में हाइकोर्ट की स्थापना की गईं ।
  - C.P.C., Cr. P.C., I.P.C. को अलग किया

C.P.C.	Cr. P.C.	I.P.C.
Civil Procedure Court	Criminal Procedure Court	Indian Penal Court

- 1860 में जेम्स विल्सन के नेतृत्व में आर्थिक सुधार कियें ।
- पहली बार बजट पेश किया गया ।
- (500 रूपये से अधिक आय पर 1% कर लगाया जाता था ।)
- विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहन दिया था ।

2. जॉन लॉरेन्स (1863-69)

- केम्पबेल की अध्यक्षता में अकाल आयोग बनाया गया था ।
- 1865 में कलकत्ता, मुम्बई, मद्रास के न्यायलयों कि स्थापना की ।
- भारत से ब्रिटेन के बीच समुद्री टेलीग्राम (तार) सेवा शुरू की ।
- अफगानिस्तान के प्रति इसने कुशल अकर्मण्यता की नीति अपनाई । (कुशल अकर्मण्यता शब्द का प्रयोग J. W. S. वाईली ने किया था ।

3. लॉर्ड मेयो (1869-1872)

- मेयो ने भारत में वित्तीय विकेन्द्रीकरण की नीति की शुरूआत की । इसने बजट घाटे को कम किया
- कठियावाड एवं अलवर को इसने भ्रष्टाचार एवं कुशासन के आधार पर दण्डित किया ।
- इसने अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना की ।
- 1872 में इसने एक कृषि विभाग की स्थापना की
- मेयो के शासनकाल में 1872 ई. में सर्वप्रथम प्रायोगिक जनगणना करवाई गई ।

4. लार्ड नार्थब्रुक (1872-76)

- कूका आन्दोलन का दमन किया था ।
- ब्रह्म मैरिज एक्ट 1872 पारित कर बाल विवाह पर प्रतिबंध ।
- लॉर्ड नार्थबुक मुक्त व्यापार का समर्थक था ।

5. लॉर्ड लिटन (1876-80)

- 'ओवेन मेरेडिथ' नाम से साहित्य लिखता था ।
- 1877 में दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया तथा महारानी विक्टोरिया को केसर-ए-हिन्द की उपाधि दी थी ।
- रिचर्ड स्ट्रेची के नेतृत्व में अकाल आयोग की स्थापना की गईं ।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1878)
- (वर्नाक्यूलर - स्थानीय भाषा)
- देशी/स्थानीय भाषा के समाचार पत्र सरकार के खिलाफ लिखने पर जब्त कर लिये जायेंगे ।
- लिटन ने अलीगढ में एक मुस्लीम-ऐग्लो प्राच्य महाविद्यालय कि स्थापना कि तथा सिविल सेवा कि उम्र घटाकर 21 से 19 कर दिया ।
- इसे गैगिंग एक्ट (Gagging Act) (मुँह बन्द रखना) भी कहा जाता हैं ।

वैधानिक जनपद सेवा (1879)

- लिटन ICS में भारतीयों का प्रवेश रोकना चाहता था इसलिए उसने नई सेवा शुरू की । इनका पद तथा वेतन ICS से कम होता था ।

- इनकी संख्या ICS की $1/6$ होती थी ।
- ICS की अधिकतम आयु 19 वर्ष कर दी गई ।
- सत्येन्द्र नाथ टैगोर प्रथम भारतीय ICS थें ।
- 1886 में लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई
- 1919 के भारत परिषद अधिनियम में केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई ।
- 1935 के भारत शासन अधिनियम में संघीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई । जो बाद में UPSC बन गया ।

6. लॉर्ड रिपन (1880–84) अच्छा रिपन

- यह अच्छी प्रवृति का व्यक्ति था ।
- 1881 में प्रथम नियमित जनगणना करवाई ।
- प्रथम कारखाना अधिनियम 1881 लागू हुआ ।
- 1881 में रिपन मैसूर वापस लौट गया था ।
- 1882 में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट बंद कर दिया था ।
- 1882 में भारत में स्थानीय स्वशासन की शुरूआत की गई । (नगरपालिका, नगरबोर्ड आदि बनाये गये)
- 1882 में भारत में शिक्षा सुधार किये गयें । इसके लिए 'हन्टर आयोग' बनाया गया था । प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा में सुधार किये जायेंगें ।
- इलबर्ट बिल विवाद (1883-84) के कारण इन्हे कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व त्यागपत्र देना पडा । इस विवाद को श्वेत विद्रोह कहा जाता है ।

इल्बर्ट बिल विवाद : (1883)

- कोई भी भारतीय न्यायाधीश फौजदारी मामले में अंग्रेज मुजरिम को नहीं सुन सकता था । इसमें P.C. इल्बर्ट विधि सदस्य (Legal Member) था ।
- मिस्त्र में भारतीय सेना भेजने के सवाल पर रिपन ने इस्तीफा दे दिया था ।
- फलोरेंस नाइटिगेल ने रिपन को भारतीयों का उद्धारक कहा था ।

5. लॉर्ड डफरिन (1884–88)

- 28 दिसम्बर 1885 को कांग्रेस की स्थापना हुई थी । (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस)
- इसके समय (1885-88) तृतीय आंग्ल-वर्मा युद्ध हुआ वर्मा को अंग्रेजी राज्य में मिला दिया ।

6. लॉर्ड लैंड्सडाउन (1888–94)

- भारत – अफगानिस्तान के बीच डुरण्ड लाइन खिंची गई थी ।
- 1891 –दूसरा कारखाना अधिनियम लागू हुआ ।
- इसके तहत महिलाओं से 11 घंटे प्रतिदिन से अधिक काम पर प्रतिबंध एवं सप्ताह में एक दिन अवकाश की व्यवस्था की ।

7. लॉर्ड कर्जन (1899–1905)

- तिलक ने कहा था "कैसा दुर्भाग्य है अकाल, प्लेग, और कर्जन तीनों भारत एक साथ आयें ।"
- एंटनी मैक्डॉनाल्ड – अकाल आयोग
- सिंचाई आयोग – स्कॉट मानक्रिफ
- पुलिस आयोग – एंड्रयू फ्रेजर
- विश्वविद्यालय अधिनियम (1904) लागू हुआ ।
- रॉबर्टसन के नेतृत्व में भारत में रेलवे सुधार किये थें ।
- सबसे अधिक रेलवे का विकास कर्जन के समय में हुआ था ।
- कलकत्ता नगर निगम अधिनियम (1899)
- कर्जन ने नगर निगम में सरकारी सदस्यों की संख्या बढा दी ।
- भारतीय टंकण एवं पत्र मुद्रा अधिनियम (1899)
- पौण्ड को भारत में वैध किया गया तथा 1 पाउण्ड – 15 रूपये होगा
- रूपये को स्वर्ण प्रमाप पर रखा गया था ।
- सहकारी समिति अधिनियम (1904)
- किसानों को सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध करवाने के लिए
- प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम (1904)
- 1904 में पुरातत्व विभाग की स्थापना की गई ।
- 1903 में यंगहसबेंड के नेतृत्व में तिब्बत पर आक्रमण कर दिया । चुंबी घाटी पर 75 वर्षो के लिए अधिकार कर लिया ।
- 1905 में बंगाल विभाजन किया ।

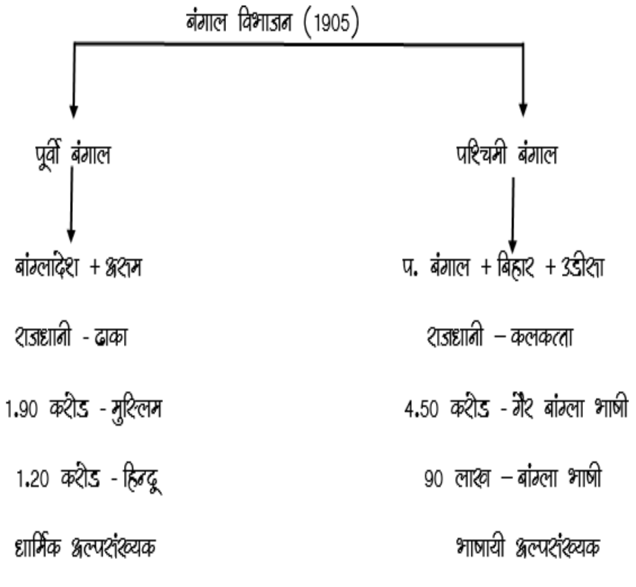

कर्जन ने विभाजन का कारण प्रशासनिक अव्यवस्था बताया लेकिन उसका वास्तविक उद्देश्य बंगाली हिन्दुओं में बढती राष्ट्रवादी भावनाओं को कुचलना था ।

कर्जन के सैनिक सुधार

1. सेनापति किचनर ने सैनिको के लिए किचनर टेस्ट शुरू किया ।
2. क्वेटा (पाक) में सैनिक अधिकारियों के मिलिट्री प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई ।
   सैनिक सदस्य की नियुक्ति पर कर्जन तथा किचनर में विवाद हो गया तथा कर्जन ने इस्तीफा दे दिया ।

लार्ड चेम्सफोर्ड

- कांग्रेस के लखनऊ अधीवेशन 1916 से कांग्रेस का एकीकरण एवं मुस्लीम लीग से समझौता
- 1919 के संवैधानिक सुधार अधीनियम द्वारा प्रांतो में द्वैध शासन लागू ।
- खिलाफत एवं असहयोग आंदोलन शुरू हुआ था ।

लार्ड इरवीन

- 1927 में साइमन कमीशन की नियुक्ति
- 1929 में शारदा एक्ट पारित
- 1929 में लाला लाजपतराय की मृत्यू एवं असेम्बली में बम फैंका गया ।
- 12 नवम्बर 1930 को लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन

लार्ड बेवेल

- 1945 में शिमला समझौता
- 12 मार्च 1946 को कैबीनेट मिशन भारत आया
- इनके समय में संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई थी ।

लार्ड माउण्टबेटेन

- मार्च 1947 को भारत का गवर्नर जनरल लार्ड माउण्ट बेटेन को बनाया गया ।
- इनके समय 3 जून 1947 को भारत विभाजन की घोषणा की गई ।
- स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल

सी. राज गोपालचारी

- स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय एवं अंतिम गवर्नर जनरल
- 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किये जाने के बाद गवर्नर जनरल का पद समाप्त कर दिया ।

संविधान की पृष्ठभूमि

संविधान सभा

- सर्वप्रथम 1935 में कांग्रेस ने संविधान सभा की मांग की ।
- 1938 में कांग्रेस ने यह मांग की कि प्रत्यक्ष निर्वाचन से संविधान सभा का निर्माण किया जाना चाहिए
- 1940 अगस्त प्रस्ताव – इसके तहत पहली बार ब्रिटिश सरकार द्वारा यह स्वीकार किया गया कि संविधान सभा में भारतीय सदस्य होगें और भारतीय सदस्य ही संविधान बनाएगें ।
- 1942 क्रिप्स मिशन – इसके तहत पहली बार संविधान सभा एवं इसके निर्वाचन की प्रक्रिया का निर्धारण किया गया ।
- 1946 कैबिनेट मिशन – इसकी सिफारिश के आधार पर संविधान सभा का निर्वाचन जुलाई – अगस्त 1946 में हुआ । संविधान सभा का चुनाव प्रान्तीय विधानमंडल के निम्न सदन के सदस्यों द्वारा आनुपातिक पद्धति के एकल संक्रमणीय मत के द्वारा किया गया । इसके तहत संविधान सभा के सदस्यों को 3 श्रेणियों में विभाजित किया गया ।
  (1) मुस्लिम (2) सिक्ख
  (3) सामान्य

संविधान सभा के सदस्य :-

संविधान सभा की प्रथम बैठक :- 9 दिसम्बर 1946 अध्यक्ष – सच्चिदानंद सिन्हा

संविधान सभा की दूसरी बैठक :- 11 दिसम्बर

1946 स्थायी अध्यक्ष – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद,
उपाध्यक्ष – H. C. मुखर्जी
सलाहकार – B. N. राव

- संविधान का पहला प्रारूप B. N. राव ने तैयार किया संविधान का मुख्य प्रारूप B. R. अम्बेडकर ने तैयार किया ।
- 13 दिसम्बर को जवाहर लाल नेहरू द्वारा 'उद्देश्य प्रस्ताव' पेश किया गया जो कि 22 जनवरी 1947 को पास किया गया ।

उद्देश्य प्रस्ताव

- यह एक प्रकार से संविधान के लिए संविधान की रूपरेखा थी । इसमें संविधान के मूल आदर्शों की स्थापना की गई । यह एक मार्गदर्शिका थी ।
- संविधान सभा ने अपने कार्य विभाजन के लिए अनेक समितियों का गठन किया, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण समितियां इस प्रकार है –

क्र.सं.	समितियां	अध्यक्ष
1.	संघीय शक्ति समिति	जवाहरलाल नेहरू
2.	संघीय संविधान समिति	जवाहरलाल नेहरू
3.	प्रान्तीय संविधान समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
4.	मूल अधिकार एवं अल्पसंख्यक के समर्थन में सलाहकार समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
5.	राष्ट्रीय ध्वज के संदर्भ में तदर्थ समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
6.	मूल अधिकारों के संदर्भ में उप समिति	जे. बी. कृपलानी
7.	अल्प संख्यकों के संदर्भ में उप समिति	एच. सी. मुखर्जी
8.	प्रारूप समिति	भीमराव अम्बेडकर

प्रारूप समिति :-

- इसमें कुल 7 सदस्य थे ।
- अध्यक्ष – भीमराव अम्बेडकर
- अन्य सदस्य –
  1. गोपाल स्वामी आयंगर
  2. अल्लदी कृष्णा स्वामी अय्यर
  3. के. एम. मुंशी
  4. सईद मोहम्मद सादुल्ला
  5. बी. एल. मिश्र, स्वास्थ्य खराब होने के कारण इसके स्थान पर एन. माधवराव आए थे ।
  6. डी. पी. खैतान, मृत्यु होने पर इसके स्थान पर टी. टी. कृष्णामाचारी आए थे ।
- 15 अगस्त 1947 के बाद भारत व पाकिस्तान के विभाजन के बाद संविधान सभा में 299 सदस्य रह गए थे ।
- अंतिम रूप से संविधान पर 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे । जे. पी. नारायण एवं तेज बहादुर सप्रु ने खराब स्वास्थ्य के कारण संविधान सभा से इस्तीफा दे दिया ।
- 22 जुलाई 1947 के बाद संविधान सभा ने तिरंगे झंडे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता दी ।
- 15 अगस्त 1947 के बाद संविधान सभा ने विधानमंडल का कार्य भी किया जिसके अध्यक्ष जी. वी. मावलंकर थे ।
- 1948 में संविधान सभा ने राष्ट्रमंडल की सदस्यता के लिए मान्यता दे दी ।

- संविधान सभा में 15 महिला सदस्य थी। सरोजनी नायडू, ऊषा मेहता, दुर्गा बाई देशमुख एवं अन्य
- 26 नवम्बर 1949 को संविधान बनकर तैयार हो गया और इसी दिन 284 सदस्यों ने संविधान पर अंतिम हस्ताक्षर किये। इसी दिन से 15 अनुच्छेद लागू किये गये। संविधान का शेष भाग 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।
- संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 को हुई थी, जिसमें राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रीय गान को मान्यता दी गयी। इसके बाद भी संविधान सभा विधानमंडल के रूप में कार्य करती रही। इसके बाद 1952 में संसद के गठन के बाद संविधान सभा पूर्णतया समाप्त हो गयी।

- **संविधान सभा का मूल संविधान** :- भाग = 22, अनुच्छेद = 395, अनुसूचियाँ = 8
  वर्तमान में :- भाग = 24 (चार नए भाग हैं- 4A, 9A, 9B, 14A) (नोट- 7 वां भाग 7 वें संविधान संशोधन द्वारा समाप्त कर दिया गया।) अनुच्छेद = 446, अनुसूचियाँ = 12

भारतीय संविधान के स्त्रोत

1. **भारत सरकार अधिनियम 1935** :- यह भारतीय संविधान का मुख्य स्त्रोत है। हमारे संविधान के लगभग 2/3 अनुच्छेद इसी से लिए गए हैं। आपातकाल लगाने की व्यवस्था केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों का विभाजन आदि।

2. **ब्रिटेन/इंग्लैण्ड** :-
   (1) संसदीय शासन व्यवस्था
   (2) कैबिनेट व्यवस्था
   (3) सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना
   (4) राष्ट्रपति का अभिभाषण
   (5) रिट जारी करना
   (6) एकल नागरिकता
   (7) न्याय के समक्ष समानता
   (8) First Past The Post System (सर्वाधिक मत लाने वाला व्यक्ति विजयी होगा)
   (9) CAG की व्यवस्था, विधि का शासन

3. **अमेरिका** :-
   (1) मूल अधिकार
   (2) न्यायिक पुनरावलोकन
   (3) न्यायिक सर्वोच्चता
   (4) विधि की सम्यक प्रक्रिया (Due Process of Law)
   (5) राष्ट्रपति पर महाभियोग
   (6) सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के जजों को हटाने की प्रक्रिया
   (7) प्रस्तावना की शुरूआत ''हम भारत के लोग भारत को''
   (8) उपराष्ट्रपति का पद

4. **आयरलैण्ड** :-
   (1) नीति निदेशक तत्व
   (2) राष्ट्रपति की निर्वाचन पद्धति
   (3) राज्यसभा में 12 सदस्यों का मनोनयन

5. **ऑस्ट्रेलिया** :-
   (1) समवर्ती सूची
   (2) संयुक्त अधिवेशन
   (3) अन्तर्राज्यीय व्यापार-वाणिज्य और समागम
   (4) प्रस्तावना का प्रारूप

6. **दक्षिण अफ्रीका** :-
   (1) संविधान संशोधन
   (2) राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन

7. **कनाडा** :-
   (1) संघात्मक ढांचा - केन्द्र राज्यों की तुलना में अधिक शक्तिशाली हैं, अवशिष्ट शक्ति केन्द्र के पास होती है।
   (2) राज्यपाल की नियुक्ति (जो कि केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रपति करता हैं)
   (3) सुप्रीम कोर्ट की परामर्शदात्री व्यवस्था

8. **फ्रांस** :-
   (1) गणतंत्रात्मक व्यवस्था
   (2) स्वतंत्रता, समानता बंधुत्व

9. **जर्मनी** :-
   (1) वाइमर/वीमर गणतंत्र
   (आपातकाल में मूल अधिकारों का निलम्बन)

10. **रूस** :-
   (1) मूल कर्तव्य
   (2) न्याय (सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय)
   - Preamble

11. **जापान** :- (1) विधि के द्वारा स्थापित प्रक्रिया (अनुच्छेद - 21)